(विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान से सम्बद्ध)

# सरस्वती विद्या प्रतिष्ठान, मध्यप्रदेश

प्रान्तीय कार्यालय: 'प्रज्ञादीप' हर्षवर्धन नगर, भोपाल-४६२००३

दूरभाषः (0755) 2761225, ई-मेलः *vidyabhartibpl@gmail.com,*

*www.vidyabhartimp.org*

पंजीयन क्र.-17195

पत्र क्रमांक : 1152/2023

दिनांक-27/02/2023

प्रति

श्रीमान व्यवस्थापक/प्राचार्य/प्रधानाचार्य
सरस्वती विद्या मंदिर .....
मध्यभारत प्रान्त

**विषयः प्रेस विज्ञप्ति।**

**बन्धुवर,**

**सप्रेम नमस्कार,**

विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान संलग्न पत्र के अनुसार शिक्षा मंत्रालय द्वारा शिशु अवस्था देखभाल एवं शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के धरातल पर क्रियान्वयन के उद्देश्य से विभिन्न अधिगत-शिक्षण सहायक सामग्री को समाहित कर "जादुई पिटारा" नाम से किट तैयार की गई है। यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसका स्वागत शिक्षा क्षेत्र में किया जाना है। विद्याभारती अ.भा. अध्यक्ष मा. डी. रामकृष्ण राव जी की एक विज्ञप्ति संलग्न कर भेजी जा रही है।

प्रेस विज्ञप्ति को समाचार पत्रों में प्रकाशित कराकर समाचार पत्रों की क्लिपिंग की फोटोकापी प्रान्तीय कार्यालय को भेज कर सहयोग प्रदान करें।

**संलग्नः** अ.भा. पत्र एवं प्रेस विज्ञप्ति

**भवदीय**

(शिरोमणि दुबे)
प्रादेशिक सचिव

**प्रतिलिपिः-**

1. श्रीमान अध्यक्ष/संगठन मंत्री/सहसंगठन मंत्री मध्यभारत प्रान्त।
2. श्रीमान प्रान्त प्रमुख/सहप्रान्त प्रमुख मध्यभारत प्रान्त।
3. श्रीमान समस्त विभाग समन्वयक मध्यभारत प्रान्त।

'-July 22-23 Patrika Pradepika,

# विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान
# VIDYA BHARATI AKHIL BHARATIYA SHIKSHA SANSTHAN
प्रज्ञा सदन, सरस्वती बाल मन्दिर परिसर, रिंग रोड नेहरू नगर, नई दिल्ली–110 065
Pragya Sadan, G.L.T. Saraswati Bal Mandir, Ring Road, Nehru Nagar, New Delhi-110 065


पत्र क्रमांक : वि.भा./260/2022–23

फाल्गुन शुक्ल तृतीया, वि.सं. २०७९
दिनांक : 23 फरवरी, 2023

सेवा में,

सभी माननीय क्षेत्रीय/प्रान्तीय मंत्री/संगठन मंत्री/ सहसंगठन मंत्री।

**विषय : ''जादुई पिटारा'' का लोकार्पण।**

बन्धुवर,

जैसा कि आपकी जानकारी में है, शिक्षा मंत्राालय द्वारा शिशु अवस्था देखभाल एवं शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या के धरातल पर क्रियान्वयन (Implementation of National Curriculum Framework for Early Childhood Care and Education), के उद्देश्य से विभिन्न अधिगम–शिक्षण सहायक सामग्री को समाहित कर ''जादुई पिटारा'' नाम से किट तैयार की गई है। यह एक महत्वपूर्ण प्रयास है जिसका स्वागत शिक्षा क्षेत्र में किया जाना है।

विद्या भारती के माननीय अध्यक्ष श्री डी॰ रामकृष्ण राव जी की एक विज्ञप्ति हिन्दी तथा अंग्रेज़ी दोनों भाषाओं में संलग्न की जा रही है। आपसे निवेदन है कि कृपया व्यापक प्रचार–प्रसार की दृष्टि से प्रान्तीय/स्थानीय स्तर पर समाचार पत्रों में इस पर आधारित समाचारों के प्रकाशन की व्यवस्था करें।

संलग्न – यथोक्त

भवदीय

अवनीश भटनागर
अखिल भा. महामंत्री

प्रतिलिपि सूचनार्थ :
1. केन्द्रीय कार्यकारिणी के समस्त माननीय पदाधिकारीयों तथा सदस्यगण।
2. सभी अखिल भारतीय विषय संयोजक।
3. संवाद केन्द्र को क्षेत्र/प्रान्त प्रचार–प्रमुखों को अग्रसारित करने हेतु।

# ''जादुई पिटारा'' का लोकार्पण – भारतीय शिक्षा व्यवस्था का गौरवपूर्ण क्षण

राष्ट्रीय शिक्षा नीति–2020 को केवल भारत में ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी शिक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण, युगान्तरकारी एवं नये मार्ग प्रशस्त करने वाले कदम के रूप में स्वीकार किया गया है। इसी नीति के क्रियान्वयन की दिशा में शिशु अवस्था की देखभाल एवं शिक्षा की राष्ट्रीय पाठ्यचर्या (National Curriculum Framework for Early Childhood Care and Education), जो कि क्रिया तथा खेल आधारित, आनन्ददायक शिशु शिक्षा का आधार है, एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। विश्वभर के शैक्षिक एवं आर्थिक क्षेत्र के विशेषज्ञ मानते हैं कि अच्छी शिक्षा से व्यक्तित्व विकास की गति अकल्पनीय रूप से तेज हो सकती है। ''जादुई पिटारा'' के नाम से हाल ही में जारी शिक्षण–अधिगम सामग्री देश में प्रारम्भिक स्तर की शिक्षा, विशेषकर अंक–ज्ञान तथा अक्षर ज्ञान की दृष्टि से एक बड़ा कदम है। बालकों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण तथा समग्र विकास के उद्देश्य से यह एक नवाचारी प्रयोग है।

अनुभवजन्य अधिगम, खेल आधारित सीखने की आयु अनुवूफल प्रक्रिया, खेलों के माध्यम से सीखना, बहुभाषायी विकास, जीवन कौशलों का विकास, क्षमता निर्माण, शैक्षिक लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए विविध गतिविधियों का आकलन, संस्कृति से जुड़ाव, कौशल शिक्षा को स्वयं करके सीखना, शिक्षक–शिक्षा की पुस्तिका, डिजिटल तथा दृश्य श्रव्य स्वरूप में उपलब्धता, कथा–कथन तथा विविधतापूर्ण शिक्षण सहायक सामग्री आदि इस ''जादुई पिटारा'' के अन्तर्गत प्रमुख विशेषताएँ हैं।

देश की 13 भाषाओं में सरल तरीके से समझाने वाले इस ''जादुई पिटारे'' का अवलोकन करने तथा उसकी सामग्री को समझने के बाद विद्या भारती को प्रतीत होता है कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध सामग्री की सहायता से विद्यालय भी अपने यहाँ इस प्रकार की अन्य सामग्री विकसित कर सकते हैं।

विद्या भारती इस जादुई पिटारे को विकसित करने में जुटी हुई टीम के सभी व्यक्तियों का अभिनन्दन करती है तथा विश्वास करती है कि देश की शिक्षा प्रणाली में यह एक परिवर्तनकारी कदम होगा। शिक्षा मंत्राालय तथा उसकी नोडल एजेन्सी एन.सी.ई.आर.टी. तथा अन्य सहयोगी संस्थाओं की यह पहल तथा प्रयास भी बधाई के पात्र हैं जिनके दिन–रात के परिश्रम के बिना यह महत्वपूर्ण परिवर्तन संभव नहीं हो सकता था।

डी॰ रामकृष्ण राव
अध्यक्ष, विद्या भारती